हुनर, साथ और विकास

ज्योति रानी

कभी घर को सजाती हुई महिलाएं, आज अपनी दुकान को भी सहेजती हुई दिखती है. जिसके हाथ का खाना खाते-खाते उंगलियां चट कर जाते थे, आज वही खाना, दीदियों के होटलों में भी उपलब्ध है और कई लोग इसका खूब मजा भी ले रहे हैं. झारखंड की ग्रामीण महिलाओं के हाथ बने अचार अन्य राज्यों में बखूबी मिल रहा है. अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करते हुए ग्रामीण महिलाएं स्वरोजगार की ओर अग्रसर है और महिला उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना रही है. अपने पैरों पर खड़े होने का सपना देखने वाली इन महिलाओं को झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा संपोषित आजीविका सखी मंडल के रूप में सहारा मिला है. अपनी सफलता को साझा करते हुए महिलाएं यह बताती है कि उनके इस मुकाम में पहुंचने में उनके जीवन साथी का भी बहुत बड़ा योगदान रहा है.

सब्जी की खेती से निखरी श्रृति की जिंदगी

शबनम विकास आजीविका सखी मंडल की सदस्य श्रृति कांके प्रखंड रांची की रहने वाली है . आज सक्रिय महिला के रूप में कार्यरत है और खेती में अपने पति का साथ बखूबी निभा रही है . आजीविका सखी मंडल से जुड़ी श्रृति श्रीविधि अपना कर और ऋण लेकर अपने पति के साथ पत्तागोबी, आलू, मूली और बैगन की खेती की है, जिससे उसकी उपज पहले की अपेक्षा बहुत ज्यादा हुई . कभी वह भी दिन था, जब सब्जी के बिना ही पूरा परिवार खाना खाया करता था, पर अब उपज इतनी हुई है कि बाजारों में सब्जी बेचकर अच्छी कमाई कर रही है . सब्जी खेती के साथ-साथ श्रृति और उसके पति संतोष कुमार सिंह मिल कर एक छोटा होटल भी चलाते हैं .

हौसला, हिम्मत और हुनर की जुगलबंदी : शोभा देवी

राजधानी रांची के नामकुम प्रखंड का एक गांव है कुतियातु . इस गांव की रहने वाली शोभा देवी आज अपनी पहचान अचार वाली दीदी के रूप में बना चुकी है . अपने तरह-तरह के अचार बनाने के हुनर से शोभा ने दिल्ली तक अपना नाम कमाया है . लक्ष्मी श्री आजीविका सखी मंडल से जुड़ने के बाद शोभा को अपनी गरीबी मिटाने का रास्ता अचार के व्यापार में नजर आया . समूह से ऋण लेकर उसने कुछ महिलाओं के साथ अचार बनाने का व्यापार शुरू किया, जिसे उसने बाजार और प्रशिक्षण कार्यक्रम में बेचना शुरू किया . साथ ही प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने हुनर का परचम लहराया . आज उसकी हुनर ही उसकी पहचान है और इस पहचान को बनाने में उसके पति ने भरपूर साथ निभाया है . जब शोभा काम पर जाती थी, तब उनके पति बच्चों का ख्याल रखते थे और आज बाजार में अचार बेचने में भी मदद कर रहे हैं .

समय के साथ चलती आधुनिक महिला किसान

वेरोनिका होरो, नामकुम प्रखंड, कुतियातु गांव, रांची की निवासी है . घर के कामों में व्यस्त रहने वाली वेरोनिका आज जब अपने पति को खेती में सलाह देती है, तो उसका पति उस सलाह पर अमल करता है . वेरोनिका ने खेती के आधुनिक तरीके अपने समूह खुशी आजीविका सखी मंडल से जुड़ कर सीखा है . समूह से ऋण लेकर उसने टमाटर, मटर और आलू की खेती श्रीविधि द्वारा की, जिससे उसकी उपज दोगुनी हुई है . वेरोनिका के पति, गर्व के साथ उससे सलाह लेकर खेती में अपनाते . इस साझेदारी ने वेरोनिका के अस्तित्व को मजबूत बनाया है .

कैटरिंग से मिली पहचान

गुमला जिला के दक्षिण भरनो प्रखंड की रौशनी आजीविका सखी मंडल की महिलाओं ने अपने हुनर को अपने आय का जरिया बनाया . समूह की सदस्य सुनीता इंदुवार, सुलेखा, सुनीता देवी एवं सरस्वती ने मिलकर समूह से ऋण लेकर कैटरिंग का व्यवसाय शुरू किया . ऋण के पैसों से महिलाओं ने बर्तन खरीदें और शादी, पार्टियों का ऑर्डर लेने लेगी . उनके अच्छे काम ने उन्हें ब्लाक डेवलपमेंट ऑफिस परिसर में एक स्थायी जगह दिलवाई, जहां वे मीटिंग के दौरान अपनी सेवाएं देती है . इन महिलाओं के परिजनों ने इनकी नयी शुरुआत में बखूभी साथ निभाया .

समूह से जुड़कर महिलाओं ने साथ में चलना सीख लिया है . वो ना केवल अपना काम साथ में कर रही है बल्कि घर परिवार में भी सामूहिक रूप से फैसले ले रही है और उनके इस कदम में उनके पति और परिवार का भी साथ मिल रहा है . अब महिलाओं ने भी जान लिया है कि एकता में ही सफलता है .

(लेखक जेएसएलपीएस की यंग प्रोफेशनल, मीडिया एवं कम्युनिकेशन हैं)

स्वयं सहायता समूहों के बीच कृषि यंत्रों का वितरण

जिला पलामू

कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत पलामू जिले में भूमि संरक्षण विभाग की ओर से अनुदानित कृषि यंत्रों का स्वयं सहायता समूहों के बीच वितरण किया गया. इसमें मेलों एवं कार्यक्रमों के द्वारा किसान महिलाओं को 90 फीसदी अनुदान पर कृषि यंत्र प्रदान किया गया.

जिले के विभिन्न प्रखंडों में करीब 60 स्वयं सहायता समूहों के बीच कृषि यंत्र बांटे गये. इस अवसर पर वन विकास नियम अध्यक्ष आलोक कुमार चौरसिया, उपायुक्त अमित कुमार, जिला परिषद उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह, प्रमुख प्रमिला देवी सहित अन्य अन्य लोगों ने शिरकत की. मौके पर किसानों से यंत्र का लाभ, उन्नत खेती और अधिक उत्पाद प्राप्त करने का आग्रह भी किया गया.

विभिन्न प्रखंडों में बांटे गये कृषि यंत्र

प्रखंड	संख्या
सतबरवा	19
छत्तरपुर	11
लेस्लीगंज	11
मेदनीनगर	08
पाटन	08
चैनपुर	03

स्वयं सहायता समूहों के बीच अनुदानित कृषि यंत्रों का हुआ वितरण .

406 सखी मंडलों के बीच बांटे गये 4.6 करोड़ रूपये का ऋण

जिला गुमला

झारखंड राज्य आजीविका मिशन की ओर से गुमला जिले के नगर भवन में ऋण वितरण शिविर का आयोजन हुआ. इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष दिनेश उरांव ने 406 सखी मंडलों के बीच 4.6 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया.

जिले के 11 प्रखंडों को इससे जोड़ा गया है और जल्द ही चैनपुर को भी जोड़ा जायेगा. 309 समूहों को बैंक ऑफ इंडिया एवं 25 प्रतिशत एवं अन्य बैंकों द्वारा ऋण वितरण किया गया. इस कार्य से चार हजार से अधिक परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है, जिससे आर्थिक समृद्धि से जीवन स्तर में काफी सुधार आयेगा. प्रत्येक सखी मंडलों को आजीविका संबंधी व्यवसाय चलाने के लिए एक-एक लाख रुपये की राशि का ऋण देकर बैंकों से जोड़ा गया. शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देष्य राष्ट्रीय आजीविका मिषन के तहत आवश्यकतानुसार स्वयं सहायता समूहों को ऋण देकर स्वरोजगार से जोड़ना है. इस अवसर पर उपायुक्त श्रवण साय, उप विकास आयुक्त नागेंद्र कुमार सिन्हा, एलडीएम सहित अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे.